TP

Samyak
An Institute For Civil Services

RAS - 23 MAINS TEST SERIES

सिद्धि-II - 015

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 200**

सामान्य हिन्दी और सामान्य अंग्रेजी- IV
General Hindi and General English - IV

Paper - IV

Name :		MARKS	
Enroll. No.:	Part	Att. Question	Marks Obtained
Date of Birth :	Hindi	31	76 1/2
Medium : Hindi	English	34	55
E-mail :			
Exam Date :	Total	65	131 1/2
Evaluator's Code: SID-	Reviewer's Code	Invigilator's Signature	Student's Signature

अनुदेश (Instructions)

1. परीक्षा शुरू होने से पहले पुस्तिका को जाँच लें।
   Please check the booklet before commencement of the exam.
2. अंक योजना प्रत्येक खंड के प्रारम्भ में दी गई है।
   The marking scheme is given at the start of every section.
3. अभ्यर्थियों को उत्तर निर्धारित शब्द सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए, इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।
   Candidates should not write more than the prescribed word limit in answers, violating this may result in deduction of marks.
4. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ह लिखें। बॉर्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेग
   Candidates are directed to write answers only in the prescribed space of booklet. The should not write answer outside the border line. Answer written outside the border li will not be checked.

1.	DOES THE ANS...				
a.	Answer Relevancy				
b.	Answer Enrichment points like use of: - Key Terms/ Subject Vocabulary. Use of Commission/ report/ government publication/ judgements, etc. Association with the Current Affairs and use of examples to explain the concept and idea				
2.	HOW WELL IS THE ANSWER PRESENTED?				
a.	Structure - Intro, Body, Conclusion				
b.	Presentation – Using Subheadings/ points/ highlighting/ flowcharts/ diagrams/ maps				
c.	Language & Grammar				
d.	Word limit				

Detailed Comments / Feedback / Suggestions for Improvement
विस्तृत टिप्पणियाँ/फीडबैक/सुधार के लिए सुझाव

I.

1. व्याकरण की जानकारी अच्छी है निरन्तर अभ्यास जारी रखें
2. मुहावरों में सार्थक शब्दों के प्रयोग पर बार-बार अभ्यास करें। [Unit-A पृष्ठ-20]
3. पत्र लेखन का अभ्यास निरन्तर करते रहें
4. निबन्ध लिखते समय तथ्य/कारक/दोहे आदि का प्रयोग करें।
5. English में 1/3 Passage में शब्द सीमा का ध्यान रखें।
6. All the best

Unit - I

1. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए:- 4×½ = 2

(i) सांग + उपांग = सांगोपांग

(ii) मनु + अ = मानव

(iii) महत् + आकाश = महदाकाश

(iv) णिच् + अंत = णियन्त

2

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए:- 4×½ = 2

(i) अहोरूप = अहन् + रूप

(ii) मनीष = मनः + ईश

(iii) तेजोमूर्ति = तेजः + मूर्ति

(iv) जलोर्मि = जल + ऊर्मि

2

3. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए:- 4×½ = 2

(i) अक्ष + ऊहिनी = अक्षौहिनी

(ii) प्रति + स्थित = प्रतिष्ठित

(iii) उद् + जयिनी = उज्जयिनी

(iv) यशः + शरीर = यशशरीर यशश्शरीर

1½

4. निम्नांकित उपसर्गों के योग से दो-दो शब्द बनाइये:- 2×1 = 2

(i) हम = हमसफर, हमराही

(ii) अलम् = अलंकार अलमारी

1½

5. निम्नांकित शब्दों से उपसर्ग पृथक् कीजिए- 4×½ = 2

(i) आविर्भाव = आ + वि + र + भा + व आवि:

(ii) नेति = न + इति

(iii) संख्या = सम + ख्या

(iv) निरन्न = नि + अन्न निर्

1½

6. निम्नांकित प्रत्ययों का संयोग करते हुए दो-दो शब्द बनाइये:- 2×1 = 2

(i) आस्पद = विवादास्पद, लाभास्पद

(ii) आन = चैवान, कैवान

7. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय पृथक कीजिए- 2×1 = 2

(i) कठफोड़ा = काठफोड़, काठ फोड़ + आ

(ii) मखनिया = मक्खन + इया

8. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिये:- 2×1 = 2

(i) वत्सर = वर्ष, साल

(ii) समर = युद्ध, रण

9. निम्नांकित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए- 2×1 = 2

(i) घोटक = अश्व, घोड़ा, तुरंग

(ii) काक = कौआ, काग

10. निम्नांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए- 4×½ = 2

(i) कल्पित = वास्तविक

(ii) बद्ध = मुक्त

(iii) सुरति = विरति, निरति

(iv) वेदना = खुशी, आनंद

11. निम्नांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए- 4×½ = 2

(i) निस्तरंग = तरंगित

(ii) मूर्च्छा = चेतना

(iii) आतिथेय = अतिथि

(iv) सेव्य = सेवक

12. निम्नांकित युग्म-शब्दों का अर्थगत अंतर लिखिए- 2×1 = 2

(i) फण-फन = शेषनाग . कुँवर

(ii) पट्ट-पट्टू =

1

13. निम्नलिखित युग्म-शब्दों का अर्थगत अंतर लिखिए- 2×1 = 2

(i) नाई-नाई =

(ii) सत-सत्त =

14. निम्नांकित वाक्यांशो के लिए एक-एक सार्थक शब्द लिखिए:- 2×1 = 2

(i) जौ से तैयार किया गया जल = यवारिष्ट

(ii) दूसरों के हित की इच्छा = हितैषणा

2

15. दिए गए वाक्यांशों के लिए एक-एक सार्थक शब्द लिखिए:- 2×1 = 2

(i) लताओं से आच्छादित रमणीय स्थान = निकुंज

(ii) आदि से लेकर अंत तक = आद्यपांत अनन्त

1 0

16. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए- 4×½= 2

(i) अध्यावसाय = अध्यवसाय

(ii) मोक्षदायनी = मोक्षदायिनी

(iii) सौजन्यता = सौजन्य

(iv) भागवान = भाग्यवान

2

17. दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए- 4×½= 2

(i) सशंकित = सशंकित शंकित

(ii) मुहुर्त = मुहूर्त

(iii) याज्ञवल्क्य = याज्ञवल्क्य

(iv) जिव्हा = जिह्वा

1½ 3

2×1 = 2

18. निम्नांकित वाक्यों का शुद्ध रूप लिखिए-

(i) अपने कुत्ते पर नियंत्रण कीजिए।

अपने कुत्ते पर नियंत्रण रखिए।

(ii) इन हालातों में आप अपने सामानों की स्वयं देखभाल करें।

इन हालातों में आप अपने सामान की स्वयं देखभाल करें।

हालात

2×1 = 2

19. निम्नलिखित वाक्यों का शुद्ध रूप लिखिए:-

(i) उसका ससुराल भरतपुर में है।

उसकी ससुराल भरतपुर है।

(ii) दासता युक्त गुलामी का जीवन ठीक नहीं है।

दासता युक्त जीवन ठीक नहीं है।

2×1 = 2

20. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए:-

(i) थाली का बैंगन होना-

सिद्धान्त हीन व्यक्ति होना। अस्थिर विचार वाला

एक दो पड़ोसी लड़ते है तो तीसरा पड़ौसी थाली के बैंगन की तरह दोनों पक्षों को राजी रखता है।

(ii) पेट में दाढ़ी होना-

मन में पाप होना

कम उम्र में अनुभवी और ज्ञानी होना।

एक माँ अपने बच्चों के प्रति कभी पेट में दाढ़ी नहीं रखती।

21. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए- 2×1 = 2

(i) नाव में धूल उड़ाना-

0 सरासर झूठ बोलना। बेकार बदनाम करना

रमेश घर पर बैठा-बैठा ही नये लोगों के सामने नाव में धूल उड़ाता है कि मेरे मुम्बई में व्यावसाय है।

(ii) साढ़े साती लगना-

1 विपत्ति आना

जंगल में जब रमेश का सामना शेर से हुआ तो उसकी साढ़े साती लग गई।

22. निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए- 2×1 = 2

(i) इस घर का बाबा आलम ही निराला है- अलग अलग स्थिति होना 1

जोधपुर शहर में सारे एकल परिवार घर है लेकिन रमेश के संयुक्त परिवार को देखकर राकेश ने कहा कि इस घर का बाबा आलम ही निराला है।

(ii) जहाँ जाय भूखा वहाँ पड़े सूखा- अभागे मनुष्य को हर जगह दुःख ही मिलता है।

1

रमेश के खेत में पक्की फसल पर बारिश होने के कारण बाजरा खराब हो गया क्योंकि हुआ मण्डी में बेचने काफी गया तो बाजरे के भाव गिर गये मैं तो वही बात हो गई जहाँ जाय भूखा वहाँ पड़े सूखा।

23. निम्नांकित लोकोक्तियों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए:-

(i) नदी नाव संयोग — संयोग से मिलना

राम व घनश्याम के बचपन में ही बिछड़ने के दस साल बाद मिलना नदी नाव संयोग है।

सामर्थ्यवान के लिए कोई उपाय नहीं।

(ii) शेरों का मुँह किसने धोया — सुबह उठते ही सीधा खाने बैठना।

मेरा छोटा भाई अक्सर सुबह उठते ही सीधा खाना खाने बैठ जाता है तो माँ कहती है शेरों का मुँह किसने धोया।

24. निम्नांकित पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक हिन्दी पारिभाषिक शब्द लिखिए-

(i) APPEASEMENT – तुष्टीकरण

(ii) FORFEITURE – जब्ती, जुर्माना, क्षतिपूर्ति

25. निम्नांकित पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक हिन्दी पारिभाषिक लिखिए-

(i) WILFUL – जानबूझकर, अन्यायपूर्ण

(ii) EQUITABLE – न्यायसंगत

भाग-ब

1. निम्नलिखित अवतरण का उचित शीर्षक देते हुए एक-तिहाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण कीजिए। 10 अंक

"लोभ चाहे जिस वस्तु का हो, जब वह बहुत बढ़ जाता है तब उस वस्तु की प्राप्ति, सान्निध्य या उपयोग से जी नहीं भरता। मनुष्य चाहता है कि वह बार-बार मिले या बराबर मिलती रहे। धन का लोभ जब रोग होकर चित्त में घर कर लेता है, तब प्राप्ति होने पर भी प्राप्ति की इच्छा बराबर बनी रहती है जिससे मनुष्य सदा आतुर और प्राप्ति के आनन्द से विमुख रहता है। जितना नहीं है, उतने के पीछे जितना है, उतने में प्रसन्न होने का उसे भी अवसर नहीं मिलता। उसका सारा अन्तःकरण सदा अभावग्रस्त रहता है। उसके लिए जो है वह भी नहीं है। असंतोष अभाव कल्पना से उत्पन्न दुःख है। अतः जिस किसी में यह अभाव कल्पना स्वाभाविक हो जाती है, सुख से उसका नाता सब दिन के लिए टूट जाता है। न किसी को देखकर वह प्रसन्न होता है और न उसे देखकर कोई प्रसन्न होता है। इसी से संतोष सात्विक जीवन का अंक बतलाया गया है।"

3 1/2

शीर्षक :→ लोभ रोग : सुख का हत्यारा

अत्यधिक लोभ किसी भी वस्तु के प्रति मनुष्य को तृप्ति नहीं देता धन का लोभ रोग बनकर जब हृदय में जड़ जमा लेता है तो प्राप्ति के बाद भी उसकी इच्छा बनी रहती है। इससे मनुष्य हमेशा असन्तुष्ट और प्राप्ति के आनन्द से वंचित रहता है जितना है, उतने में भी उसे सन्तोष नहीं मिलता है और सारा जीवन अभावग्रस्त रहता है। असन्तोष और अभाव कल्पना से उत्पन्न दुःख का कारण बनते हैं वे सुख से वंचित रहते हैं, न तो वे किसी को देखकर प्रसन्न होते हैं और न ही उन्हें देखकर कोई प्रसन्न होता है। इसलिए सन्तोष सात्विक जीवन का आधार माना जाता है।

संक्षिप्तीकरण को एक-तिहाई शब्दों में लिखने का प्रयास करें इनसे ज्यादा शब्दों में न लिखें।

2. निम्नलिखित का भाव विस्तार कीजिए- 10 अंक

शीर्षक- देखा देखी कीना जोग, छीनी काया बाढ़े रोग।

6½

अर्थ:- यह कहावत दूसरों को देखकर उनका अनुसरण करने की प्रवृत्ति के खतरों के बारे में चेतावनी देती है। इसका मतलब है कि हमेशा दूसरों की नकल नहीं करनी चाहिए, खासकर अगर वे गलत काम कर रहे हैं।

विस्तार → यह कहावत कई तरह के सन्दर्भ में लागू हो सकती है। उदाहरण के लिए यह उन युवाओं पर लागू होता है जो अपने दोस्तों को गलत काम करते हुए देखते हैं और उनका अनुकरण करते हैं। यह उन लोगों पर भी लागू सोशल मीडिया देखते हैं कि अन्य लोग क्या कर रहे हैं और फिर उनका अनुकरण करने की कोशिश करते हैं भले ही वे यह जानते हैं कि यह उनके लिए अच्छा नहीं है। यह हमें सिखाती है कि हमेशा हमें अपने विचारों और भावनाओं पर भरोसा करना चाहिए और नकल करने से पहले दो बार सोचना चाहिए।

उदाहरण

युवा → एक युवा लड़का अपने दोस्तों को नशा करते हुए देखता है और उनके साथ रहते हुए वह भी सीख जाता है।

निष्कर्ष → यह कहावत हमें एक महत्वपूर्ण जीवन पाठ सिखाती है दूसरों की नकल करने से पहले हमेशा दो बार सोचें, हमें अपने विचारों और भावनाओं पर भरोसा करना ~~करना~~ चाहिए, जो हमारे लिए सही है वही करना चाहिए।

3. निम्नांकित अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए। 10 अंक

I, Mahatma Gandhi am a servant of India and I am trying to serve India. I serve the whole of mankind. I had thought in my early life that the service of India was not against the service of mankind. As I advance in years and it is hoped my intellect has also developed. I have realised that my thinking was right. After about fifty years of public service I can say today that the service of a country is no less than the service of the world. This thinking of mine has made this way of thinking stronger. By mere acceptance of this principle the condition of the world can improve and the mutual jealousy among the different nations of the world can be ended. While launching a movement against untouchability I have not confined myself to Hinduism alone. If the sense of untouchability is really removed from the hearts of the Hindus, we shall soon realise that we are all one and not different from one another.

7

मैं महात्मा गाँधी, भारत का सेवक हूँ और मैं भारत की सेवा करने का प्रयास कर रहा हूँ। मैं पूरी मानव जाति की सेवा करता हूँ। मैंने प्रारम्भिक जीवन में सोचा था कि भारत की सेवा मानव जाति की सेवा के विरुद्ध नहीं है। जैसे-जैसे मेरी उम्र बढ़ती गई यह आशा की जाती है कि मेरी बुद्धि का विकास हुआ है। मुझे एहसास हुआ कि मेरी सोच सही थी लगभग पचास वर्ष की सार्वजनिक सेवा के बाद आज मैं यह कह सकता हूँ कि देश की सेवा दुनिया की सेवा से कम नहीं है। मेरी इस सोच ने इस सोच को और मजबूत बना दिया। केवल इस सिद्धान्त को स्वीकार करने से ही दुनिया की स्थिति में सुधार हो सकता है। और दुनिया के विभिन्न राष्ट्रों के बीच परस्पर ईर्ष्या समाप्त हो सकती है। अस्पृश्यता के खिलाफ आन्दोलन चलाते समय मैंने खुद को सिर्फ हिन्दू धर्म तक ही सीमित नहीं रखा। यदि हिन्दुओं के हृदय से अस्पृश्यता की भावना वाकई में दूर हो जाए, तो हमें जल्द ही एहसास हो जाएगा कि हम सब एक हैं और एक दूसरे से अलग नहीं हैं।

(11)

4. नगरीय विकास एवं स्वायत शासन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के समस्त नगरपालिका क्षेत्रो में डेयरी बूथ आवंटन के संबंध में दिव्यांगजनो हेतु 5 प्रतिशत बूथ आरक्षित रखे जाने के संबंध में प्रावधान किये जाने के बावत अधिसूचना जारी कीजिए- 10 अंक

7

राजस्थान सरकार

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग जयपुर

क्र. - एफ (5)/ न.वि.स्वा.शा.वि./2024/112 जयपुर, 19 मई, 20

अधिसूचना

राज्यपाल महोदय की आज्ञा से राजस्थान सरकार के नगर पंचायत अधिनियम - 1992 की धारा 5(क) की उपधारा 3(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लोकहित में ऐसी समीचीन है कि समस्त नगरपालिका क्षेत्रों में डेयरी बूथ के आवंटन में 5% बूथ दिव्यांगजनों हेतु आरक्षित करने की अधिसूचना जारी की जाती है। यह अधिसूचना 25 मई, 2025 से लागू की जाती है।

राज्यपाल की आज्ञा से

क ख ग

(क ख ग)

शासन सचिव

प. क्र. – एफ(5)/न नि स्वा शा नि/2024/12 जयपुर दिनांक 13 मई 2024

प्रतिलिपि :– आवश्यक कार्यवाही एवं सूचना प्रेषित हैं :–

(i) निजी सचिव, राज्यपाल महोदय, राजस्थान, जयपुर।

(ii) निजी सचिव, मुख्यमंत्री, राजस्थान, जयपुर।

(iii) समस्त संभागीय आयुक्त, राजस्थान सरकार।

(iv) समस्त जिला कलेक्टर, राजस्थान सरकार।

(v) समस्त नगरपालिका सभापति राजस्थान सरकार।

(vi) रक्षित पत्रावली।

क ख ग

शासन सचिव

5. जिला कलेक्टर, चूरू की ओर से उपखंड अधिकारी, सरदारशहर को क्षेत्र में सूखे के कारण खराब हुई फसल की रिपोर्ट भिजवाने हेतु अर्द्धशासकीय पत्र लिखिए- 10 अंक

राजस्थान सरकार

डॉ. जगदीश सिंह — कार्यालय जिला कलेक्टर
जिला कलेक्टर — जिला-चुरु, राजस्थान

दिनांक - 19 मई, 2024

अ. शा. प. क्र.- एफ 5(2)/विक/निरा/...

1/2

श्री महिपाल जी

मैं आपका ध्यान इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 112, दिनांक 12 मई, 2024 की ओर आकर्षित करना चाहूंगा। उक्त पत्र के माध्यम से कार्यालय उपखण्ड अधिकारी, सरदारशहर को क्षेत्र में हुए सूखे से खराब फसल की रिपोर्ट प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया था। परन्तु बड़े खेद का विषय है कि उक्त रिपोर्ट अब तक प्राप्त नहीं हुई है।

ध्यातव्य है कि उक्त सूचना आगामी वित्तिय वर्ष हेतु आयना आवश्यक है। राजस्थान सरकार द्वारा चाही गई उक्त सूचना को समय पर भिजवाना सुनिश्चित करें।

अतः आप इस पर व्यक्तिगत ध्यान देवें तथा वांछित सूचना अविलम्ब कार्यालय को प्रेषित करवाएँ। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करें।

शुभकामनाओं सहित

भवदीय
(हस्ताक्षर)
(जगदीश सिंह)

~~[illegible]~~
श्री महिपाल जी
उपखण्ड अधिकारी
सरदारशहर, चूरू

टिप्पणी - रेखांकित शब्द/वाक्यांश प्रेषक द्वारा हस्तलिखित है।

1. निम्नलिखित में से एक विषय पर निबंध लिखिए- 10 अंक

1. विकास प्रक्रिया में जनसहभागिता
2. सौर ऊर्जा- भविष्य की ऊर्जा के रूप में

7

विकास प्रक्रिया में जनसहभागिता

विकास, किसी भी समाज की प्रगति और समृद्धि का आधार है। यह केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक राजनीतिक और सांस्कृतिक विकास को भी शामिल करता है। विकास प्रक्रिया में जनसहभागिता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जनता की सक्रिय भागीदारी के बिना स्थायी और समावेशी विकास हासिल करना असम्भव है।

जनसहभागिता के महत्व के कुछ प्रमुख कारण :→

* बेहतर योजना और नीति निर्माण → जनता, अपनी जरूरतों और समस्याओं से भली-भाँति परिचित होती है। जब उन्हें विकास योजनाओं और नीतियों के निर्माण में शामिल किया जाता है तो वे अपनी राय और सुझाव दे सकते हैं।

* स्वामित्व और प्रतिबद्धता → जब लोग विकास प्रक्रिया में भाग लेते हैं तो वे उसमें

स्वामित्व की भावना महसूस करते हैं। इससे वे योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए अधिक प्रतिबद्ध होते हैं।

* पारदर्शिता और जवाबदेही ⇒ जनसहभागिता विकास प्रक्रिया में पारदर्शिता व जवाबदेही को बढ़ावा देती है जब जनता को सभी जानकारी उपलब्ध होती है और वे योजनाओं के क्रियान्वयन पर नजर रख सकते हैं तो भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की संभावना कम हो जाती है।

* सामाजिक न्याय और समानता ⇒ विकास का लाभ सभी तक पहुंचाना चाहिए। जनसहभागिता यह सुनिश्चित करने में मदद करती है कि विकास प्रक्रिया में सभी वर्गों, विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों को शामिल किया जाता है।

~~वर्तमान उदाहरण~~ ⇒

* महात्मा गांधी ग्राम स्वरोजगार, जनसहभागिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इस योजना के तहत ~~[illegible]~~ गांवों के विकास में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी पर बल दिया।

* मनरेगा योजना, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन और गरीबी उन्मूलन के लिए जनसहभागिता पर आधारित एक सफल योजना है।

* स्वच्छ भारत अभियान जनता की भागीदारी से प्रेरित एक स्वच्छता अभियान है जिसने देश में स्वच्छता के स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

निष्कर्ष ⇒ विकास प्रक्रिया में जनसहभागिता, एक अनिवार्य आवश्यकता है। यह स्थायी और समावेशी विकास हासिल करने, सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देने और मजबूत राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

(A) Identify the error and rewrite the correct form of the following sentences: (Q. No. 1-10)

Marks: 10×1= 10

1. He knows the English Well.

He knows English well. (1)

2. Would you like any rice?

Would you like some rice. (1)

3. I saw him between the crowd.

I saw him in the crowd (0) among the crowd

4. Raman laughed on me.

Raman laughed at me. (1)

5. You could have the book when I have finished it.

You could have the book when I finished it. (1)

6. One would try to do one's best.

One should try to do ~~(...)~~ one's best (1)

7. Krishna wrote a book. (Change into Passive voice)

A book was written by Krishna. (1)

8. The rose is sweet when smelt. (Change into Active voice)

We smell the sweet rose. The rose smells sweet. (0)

9. He said to me, "I can't help you." (Change into Indirect speech)

He told me he that he could not help me. (0)

10. He said (that) he would go home. (Change into Direct Speech)

He said, "I will go home." (0)

He said "I shall go home"

B. Choose the word similar in meaning. (Q.No. 11-12) Marks : 2×1=2

11. Judicious -

Thoughtful/Stupendous

Thoughtful ✓ 1

12. Inevitable -

Ascertained/Avoidable

Avoidable ✗ 0

C. Choose the word opposite in meaning. (Q.No. 13-14) Marks : 2×1=2

13. Haughty -

Cheap/Humble

Humble ✓ 1

14. Just -

Unfair/Urgent

unfair ✓ 1

Rewrite choosing the appropriate expression to form a meaningful sentence (Q.No. 15-16)

Marks : 2×1=

15. The meeting was *called back/called off* because of the strike.

The meeting was called off. Because of the strike. 1

16. I will *drop you off/drop you out* at the bus stop if you like.

I will drop you off at the bus stop if you like. 1

Selecting the correct phrase/word, rewrite the following sentences (Q.No. 17-18) Marks : 2×1=2

17. The principal *summed up/summed down* his inaugural address.

The principal summed up his inaugural address

1

18. The dishonest clerk has *tampered upon/tampered with* the records.

The dishonest clerk has tampered with the records.

1

Write a one-word substitute for the following expressions. (Q.No. 19-20) Marks : 2×1=2

19. One who thinks or speaks too much of himself.

Egomaniac

1

20. Something capable of being done.

feasible

1

Part - B

(A) **Read the passage given below and answer the questions that follow – (Q.No. 21-25)** **Marks : 5×2=10**

Title: The Lost City of Atlantis

Deep beneath the surface of the Atlantic Ocean lies a realm of mystery and intrigue—the legendary lost city of Atlantis. According to ancient texts and myths, Atlantis was a prosperous and advanced civilization, flourishing thousands of years ago before its sudden and catastrophic demise. Legends speak of a utopian society, where technology and knowledge far surpassed that of any other civilization of its time. The Atlanteans were said to have mastered the elements and wielded powers beyond mortal comprehension. Yet, despite their achievements, Atlantis was doomed to sink beneath the waves, disappearing into the depths of the ocean, never to be seen again. For centuries, scholars and explorers have searched for the fabled city, scouring the ocean floor in hopes of uncovering its secrets. Despite numerous expeditions and tantalizing discoveries, the true location of Atlantis remains a subject of debate and speculation, with some believing it to be a purely mythical tale and others convinced of its historical truth. As the sun sets over the vast expanse of the ocean, casting a golden glow upon the waves, the mystery of Atlantis endures, beckoning adventurers and dreamers to embark on quests for the truth. Whether Atlantis was merely a figment of ancient imagination or a lost civilization waiting to be rediscovered, its enigmatic allure continues to captivate the human spirit.

21. Where is the legendary lost city of Atlantis said to be located? (2)

The legendary lost city of Atlantis is said to be located deep beneath the surface of the Atlantic Ocean.

22. What kind of civilization was Atlantis believed to be? (2)

Atlantis was believed to be a utopian society with advanced technology and knowledge surpassing any other civilization of its time

23. What were some of the supposed achievements of the Atlanteans? (2)

Advanced technology beyond modern comprehension.
Superior knowledge in various fields

24. Why do scholars and explorers search for Atlantis? (2)

several reasons.
To uncover its secrets about the advanced civilization
To allure of discovery and the mystery surrounding Atlantis.

25. Provide a synonym for "Enigmatic."

~~mysterious.~~ / puzzling.

2

(B) Translate the following sentences into English (Q.No. 26-30) Marks : 5×2= 10

1. भारत में बेरोजगारी एक बहुआयामी मुद्दा है।

Unemployment in India is a multidimensional issue.

2

2. साइबर युद्ध आधुनिक दुनिया में युद्ध की अगली सीमा के रूप में उभरा है।

Cyber warfare has emerged as the next frontier ~~is the usage of computer system and networks to attack on enemy.~~ of warfare in the modern world.

2

3. इसरो की सफलता का श्रेय नवाचार, वैज्ञानिक उत्कृष्टता और लागत प्रभावी समाधानों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दिया जा सकता है।

The success of ISRO can be attributed to its commitment to innovation, scientific excellence and cost-effective solution.

2

4. गगनयान मिशन भारत के लिए अत्यधिक वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रतीकात्मक महत्व रखता है।

The Gaganyan mission holds immense scientific technological and symbolic significance for India.

2

5. मोबाइल फोन आधुनिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है।

Mobile phones have become an indispensable part of modern life.

2

IAS | RAS - JAIPUR - 9875170111

(C) **Make a precis of the following passage in about one-third of its length.** **Marks:10**

The sun dipped below the horizon, painting the sky in hues of orange and pink as twilight descended upon the tranquil countryside. The gentle breeze rustled through the trees, carrying with it the earthy scent of freshly mown grass. In the distance, the faint sound of crickets chirping added to the symphony of evening sounds. As darkness enveloped the landscape, stars began to twinkle in the velvety sky, casting a soft glow over the sleeping world. It was a moment of quiet beauty, a pause in the rush of daily life, where nature's serenity invited contemplation and reflection under the canopy of the night.

5

Tranquility at Dusk

Twilight settles over the peaceful countryside, painting the sky with vibrant colors. A gentle breeze whispers through the trees, carrying the scent of freshly cut grass. As darkness falls, stars emerge in the velvety sky, casting a soft light. This tranquil moment offers a welcome respite from daily life, inviting us to reflect under the starry night.

words = ?

Part – C

(A) Write a paragraph on any one of the following in approximately 200 Words.
(i) Poverty in India : Can We Ever Able to Eradicate it?
(ii) Caste Discrimination and Exclusion in India
(iii) Electoral Reforms and Indian Democracy

Marks 10

4

Poverty in India : Can we Ever Able to Eradicate it

Poverty remains a significant hurdle in Indian's journey towards progress. Despite economic growth, millions still struggle to meet basic needs for food, shelter, and heathcare. This complex issue has deep roots, fueled by factors like unequal land distribution, limited access to education and skill development, and social barriers faced by marginalized communities. While government programs and communities. While goverment programs and initiatives have lifted many out of poverty, challenges presist.

India has made significant strides in poverty reduction in recent decades with government programs like MGNREGS

~~proof~~ providing crucial support. However eradicating poverty entirely remains a complex challenges.
Unequal access to education and healthcare perpetuates poverty cycles, while rapid population growth puts a strain on Resources. Additionally, issue like rural-urban disparity and climate change ~~for~~ future complicate the situation.
Eradicating poverty demands a multipronged approach. By addressing its root causes, investing in education and skill development and ensuring the success of government programs, India can move closer to a future where poverty ~~[illegible]~~ is no longer a defining ~~f~~ factor.

(B) Elaborate any one of the following themes in approximately 150 Words. Marks 10

(i) Failures are the Pillars of Success

(ii) Best for an Individual is not Necessarily Best for the Society

(iii) Ideas Rule the World

4

The saying "failures are the pillars of success" highlights the importance of setbacks in achieving our goals. Just like a building need a strong foundation, success is built on the lessons learned from failures. Each misstep teaches us what doesn't work, exposing weaknesses and areas for improvement. By analyzing these failures, we can adjust our approach and become better, equipped for future challenges. Furthermore, overcoming failures builds resilience and perseverance, essential quality for sustained effort on the path to success. In essence, failure are not ~~are~~ roadblocks but stepping stones on the journey towards our dreams.

150 words

(C) Write a letter to the newspaper editor about the rise in petrol and diesel prices.

Or

Write a report on corruption in politics. Marks10

Jagdish Singh
Triveni Nagar
Jaipur.

19 May 2024

The Editor
Rajasthan Patrika
Mansarovar Jaipur

Subject :- Urgent Action Needed: Crippling Rise in Petrol and Diesel prices.

Dear Editor

I am writing to express my deep concern, and I am sure I share this concern with countless others, regarding the relentless rise in petrol and Diesel prices.

This continuous surge is having a devasting impact on the lives of ordinary citizens. The ever increasing fuel costs are not just affecting transportation expenses, they are triggering a domino effect, pushing up the prices prices of essential commodities. This creates a significant burden on household budget, especially for low income families.

I urge the authorities to take immediate action to address this critical issue. Exploring alternative fuel sources, implementing tax breaks or providing subsidies could offer some relief

Thank you for considering this important matter.

Sincerely,
Jagdish Singh.